क्या इस समय हमारी सरकार इस पोजीशन में है ? (*Interruptions*)

SHRI CHENGALRAYA NAIDU: They are traitors to this country. People like Shri Nambiar should get out of this country.

श्री विभूति मिश्र: अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का उत्तर तो दिलवाइये।

श्रीमती इन्दिरा गांधी: अणुबम के बारे में कई दफा यहां पर बहस हो चुकी है।

SHRI S. A. DANGE: I just want to know from the Prime Minister whether when we are discussing the question of protecting human rights in Tibet she would do something to protect the human rights of the workers in India first.

SHRIMATI SUCHETA KRIPALANI: In view of the overwhelming opinion expressed in the House that Tibet matters should be taken up at the international forum, if possible sponsored by us or at least co-sponsored by us, is the Prime Minister willing to reconsider the Government's policy in this regard ?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: We have already replied to this question.

SHRI NATH PAI: It is a demand from every section of the House.

SHRI HANUMANTHAIYA: The majority opinion is in favour of a change of policy.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: We have to look at our national interest. Government have to look at the long-term national interest. We feel that our present policy is framed having regard to that. We always welcome the expression of views by hon. Members and we always do take them into consideration. But we have to look, as I said, to the long-term national interests of India.

MR. SPEAKER: Short Notice Question No. 8.

श्री हुकम चन्द कछवाय: आज अध्यक्ष महोदय क्वैश्चंस चूंकि 17 मिनट बाद शुरू किये गये हैं इसलिए 12 बजे के के बाद 17 मिनट और क्वैश्चंस को दिये जाने चाहिएं।

MR. SPEAKER: No.

SHORT NOTICE QUESTION

DEATH DUE TO FOOD POISONING IN MONGHYAR VILLAGE, BIHAR

S.N.Q. 8. SHRI MADHU LIMAYE:
SHRI BHOGENDRA JHA:
SHRI N. T. DAS:
SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI:
SHRI ONKAR LAL BERWA:

Will the Minister of HEALTH, FAMILY PLANNING AND URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that more than 50 persons have died and 73 are lying in a precarious condition in the Monghyar Hospital in Bihar due to food poisoning; and

(b) if so, the details thereof with the causes and the remedial measures taken ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING AND URBAN DEVELOPMENT (SHRI B. S. MURTHY): (a) and (b). A statement is laid on the table of the Sabha.

STATEMENT

On the night of the 1st August, 1968, one Ekramul Haque of village Saturkhana, about two miles from Monghyr Hospital, gave a party in celebration of circumcision ceremony of his son. 110 people mostly children took food consisting of pulao, beef and vegetables and soon thereafter started becoming unconscious. 47 persons, including 41 children, had died by the time they were brought to the hospital. All the other affected persons, including 58 children, who were admitted to the hospital showed symptoms

of food poisoning. Necessary medical treatment was provided immediately by mobilisation of local resources. It is suspected that poison was added to the food by a hostile relation of the person who gave the party. The viscera and seized cooked materials have been sent for chemical examination and the matter is under police investigation.

Police have registered a case under Sections 302/328 I.P.C. and are reported to have already arrested three persons in this connection.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, बयान वह तो मैंने पढ़ा नहीं । मैं तो चेकोस्लोवाकिया में फंस गया था। वह स्टेटमैंट कोई लम्बा नहीं है और उपमंत्री महोदय उसे पढ़ दें।

SHRIMATI SHARDA MUKERJEE: On a point of order. If one of us here asks a Minister to read a statement which has already been laid on the Table, it would not be permitted.

MR. SPEAKER: The Minister is prepared to do it.

SHRIMATI SHARDA MUKERJEE: This is a peculiar procedure we are following.

श्री मधु लिमये : जैसा मैंने कहा मैं चेकोस्लोवाकिया में फंस गया था। आप से मिलने हम लोग आये थे और मैं उसे पढ़ ही नहीं पाया।

MR. SPEAKER: You cannot help it. When in reply to a question, the answer is laid on the Table, hon. Members are expected to read it. Normally that is the practice. Today it may be a short statement, but tomorrow it may be a 5-page statement.

श्री मधु लिमये : ठीक है। मैं प्रश्न पूछे लेता हूं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह जो विष प्रयोग हुआ और जिसमें इतने लोग मर गये क्या सरकार ऐसा सोचती है कि उस के पीछे कोई षड़यन्त्र था, यदि हां, तो जो अपराधी लोग हैं क्या यह सही है कि वे लोग भाग गये हैं?

L42LSS-68

SHRI B. S. MURTHY: As far as the information received by us indicates, 41 have died so far. It is said that during the investigation it was found that litigation had been going on between Ekramul Hoque and his younger brother Inamul Hoque who had not been invited to this dinner. It is presumed that this brother has a hand in this and he is responsible for this calamity.

MR. SPEAKER: Has he run away.

SHRI B. S. MURTHY: Nobody has run away.

श्री मधु लिमये : उन को गिरफ्तार किया गया है?

SHRI B. S. MURTHY: So far three people have been arrested.

श्री मधु लिमये : मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि इस में जो लोग मर गये हैं या बीमार हो गये हैं क्या उन के परिवार वालों को कोई सहायता वित्तीय, वैद्यकीय आदि सरकार के द्वारा दी जा रही है

SHRI B. S. MURTHY: I think the hon. Member as an expert in parliamentary procedure knows that the Bihar Government would be looking into this matter.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, बिहार में राष्ट्रपति शासन है वरना यह प्रश्न ही यहां नहीं आ सकता था। मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। अध्यक्ष महोदय, हम जानते हैं कि यह राज्यीय मामला है लेकिन चूंकि बिहार में राष्ट्रपति शासन है इस लिए यहां पर इसे लाये हैं।

SHRIMATI TARKESHWARI SINHA: The Central Government would be looking into this matter.

SHRI B. S. MURTHY: These matters will be attended to by the State Government.

श्री मधु लिमये : जी नहीं, अब राष्ट्रपति शासन के कारण हम लोग जिम्मेदार हैं। मंत्री महोदय को संविधान की जानकारी नहीं है।

MR. SPEAKER: It is understood. Otherwise, this question would not have come up here. There is no State Assembly and State Government responsible to that there. So this question of health has come up here.

SHRI B. S. MURTHY: I have no information.

श्री मधु लिमये: ज़रा कानून मंत्री उन को समझा दें।

SHRI N. T. DAS: May I know the number of people invited by Ekramul Haque?

SHRI B. S. MURTHY: 200.

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI: May I know whether the Government has ascertained that it was some poison that was deposited in the food? Or was there any poison in the cooking media that were used for the food, and the manufacturers may also be held responsible?

SHRI B. S. MURTHY: It is suspected that poison had been deposited; it has not been definitely proved and the viscera and seized cooked materials have been sent for chemical examination.

श्री ओंकार लाल बेरवा: यह जो हरकतें की हैं विष मिलाने की यह एक योजनाबद्ध तरीके से की गयी हैं तो क्या यह इनामुल हक वगैरह लोगों के पीछे कोई ऐसा पाकिस्तानी षड़यन्त्रकारी ग्रुप है जोकि इस तरह से आदमियों को खाने में विष मिला करके उन को खत्म करना चाहता है क्योंकि जाहिर है कि यह विष मिलाने की हरकतें एक, दो आदमियों से नहीं हो सकती हैं और इस में रोटी पकाने वाला भी होगा, और पानी भरने वाला भी होगा तो ऐसी हरकतों को बंद कराने के हेतु क्या सरकार इस बारे में कोई जांच पड़ताल करवा रही है?

SHRI B. S. MURTHY: I do not think there is any evidence to suggest that.

श्री भोगेन्द्र झा: उप मंत्री महोदय अजीब सा जवाब दे रहे हैं। दरअसल इस प्रश्न का सम्बन्ध जनसंख्या की रक्षा से है जबकि उन के विभाग का सम्बन्ध जनसंख्या के घटाने से है और इसीलिए मैं समझता हूं कि उन के द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिये जा रहे हैं। क्या मैं आशा करूं कि वह जो सवाल का मकसद है उसके अनुरूप जवाब देंगे? प्रश्न जनसंख्या को रक्षा करने का है और मैं इसलिए चाहूंगा कि वह जनसंख्या घटाने की ओर कम ध्यान दें। सवाल यह है कि इतने बड़े पैमाने पर जो मृत्युएं हुईं उन में दो बात का सम्बन्ध है और वह यह कि क्या इस जहर के इतने बड़े पैमाने पर मिलाने में कोई नीयत या कोई सक्रिय प्रयास था या नहीं और इस के बारे में अभी तक सरकार की जो जानकारी है जो नतीजा है उस पर क्या कार्यवाही की जा रही है?

इतने बड़े पैमाने पर जो मृत्युएं हुई उन को तुरन्त डाक्टरी व्यवस्था के जरिए रोकना सम्भव था या नहीं? लोगों का ऐसा विश्वास है कि उस का रोकना संभव था लेकिन उस में अत्यधिक विलम्ब हुआ और इस कारण इतने बड़े पैमाने पर मृत्युएं हुई। क्या अगर सतर्कता बरती जाती और विलम्ब न किया जाता तो कुछ की या सबों की जान नहीं बचाई जा सकती थी और यह कि इस के लिए जो चिकित्सा विभाग के लोग दोषी हैं उन के बारे में सरकार की अभी तक क्या समझ है या जनाकारी है और क्या ऐसे लोगों के खिलाफ़ सरकार द्वारा कुछ कार्यवाही करने पर विचार हो रहा है?

SHRI B. S. MURTHY: 41 persons died before they were taken to the hospital. As for the other information which the hon. Member wants, it is suspected that there was some poison mixed with food and it was due to rivalry between two brothers. But these are all allegations.

श्री भोगेन्द्र झा: अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने पता

लगाया है लेकिन मंत्री जी ठीक से जवाब नहीं दे रहे हैं। इस तरह से समय व्यर्थ जा रहा है और मेरा अनुरोध है कि स्वास्थ्य मंत्री महोदय को बुलवा दें ....

अध्यक्ष महोदय : श्री विभूति मिश्र।

श्री विभूति मिश्र : क्या उप मंत्री महोदय इस बारे में पता लगायेंगे कि पटना के सरकारी कारखाने से, बरौनी, बोकारो या और किसी सरकारी कारखाने से इस तरह का ज़हर गायब हुआ और यह कि वहां से यह जहर गायब होने के बाद वह एक मुसलमान भाइयों में जो सुन्नत की तकरीब होती है उस में परोसे जाने वाले खाने में मिलाया गया और उस के खाते ही पहली पंगत वाले लोग जिनमें अधिकतर बच्चे थे बेहोश होने शुरू हो गये और दरवाज़े के पास ही यह लोग गिरने लगे और परिणाम-स्वरूप उस भाई के सारे परिवार के लोग तो बच गये लेकिन बाहर से आने वाले लोग जोकि पहले खाना खा चुके थे उन में से बहुत से मर गये ? क्या सरकार ने अपनी एजेंसी के जरिए से इस बारे में पता लगाया है कि उन के यहां पटना के सरकारी कारखाने में, बोकारो में या बरौनी में कोई ऐसा ज़हर है जिसे कि खाने में अगर मिला दिया जाये तो उस खाने को खाने वाला आदमी मर जायगा ? क्या सरकार ने इस का पता लगाया है। यदि लगाया है तो क्या रिपोर्ट आई है ?

SHRI B. S. MURTHY: All these things are being investigated into and when they are available we will place a statement on the Table of the House.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं जानना चाहता हूं कि जिन लोगों ने खाना खाया वह खाने के बाद कितनी देर में मरे और अस्पताल कितने समय बाद उन को ले जाया गया ? क्या यह बात सही है कि अस्पताल के अन्दर वह दवायें नहीं थीं जिन को देकर सभी को तत्काल बचा लिया जा सकता था, और काफी विलम्ब से दवायें मंगाई गई ? क्या यह भी सही है कि जो लोग मरे हैं उन के परिवारों को आप की ओर से कुछ सहायता दी गई है ? यदि दी गई है तो कितनी ? जो लोग पकड़े गये हैं वह तो पकड़े ही गये हैं लेकिन उन लोगों में से कई जिम्मेदार व्यक्तियों को पकड़ा भी नहीं गया है, जिन की खोज सरकार कर रही है। क्या यह सही है कि वह पाकिस्तान भाग गये ?

SHRI B. S. MURTHY: It is said that the first batch of 110 people took their meals and, after that, before the second batch could sit there were signs that the people who ate in the first batch were suffering from pain and some ailment. Then arrangements were made to take them to the hospital. Before they were transported to the hospital 41 of them, mostly children, died. The other people who were taken to the hospital, more or less all of them were saved. Therefore, I do not think there was any difficulty as far as medical care was concerned Everything was done by the hospital authorities to save every individual affected there.

श्री हुकम चन्द कछवाय : सरकार जिन लोगों की खोज कर रही है वह पाकिस्तान भाग गये हैं या नहीं, इस के बारे में क्या सरकार को कोई जानकारी है ?

SHRI B. S. MURTHY: We have no information as far as that is concerned.

श्री मधु लिमये : प्रत्येक को ही "नो इन्फार्मेशन" जवाब आ रहा है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : जो लोग मरे हैं क्या उन के परिवारों को कोई सहायता सरकार ने दी है ?

MR. SPEAKER: He has replied that he has no information.

श्री रणवीर सिंह : क्या यह सही है कि इस किस्म के गैंग न सिर्फ बिहार में बल्कि सारे देश में मुनज्जम तरीके से काम कर रहे हैं और इस गैंग के पीछे बड़ी साजिश है।

कोई फर्म या आर्गेनाइजेशन है जो गैंग सप्लाई करने का काम करता है। जिस वक्त कुरुक्षेत्र में मेला हुआ उस वक्त दिल्ली स्टेशन पर इसी तरह से दस किसानों को जहर दिया गया और वह लोग तीन घंटे के अन्दर मर गये। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस गैंग और उस गैंग का कोई ताल्लुक मिला है ? क्या गवर्नमेंट इस गैंग को ट्रेस आउट कर के लिक्विडेट करेगी ?

SHRI B. S. MURTHY: As I told you, Sir, information is not available on all these details. But the police are investigating into the matter.

SHRIMATI TARKESHWARI SINHA: May I know whether the Government of Bihar supplied the report to Government of India after they received the FIR from the Police; if so, how many evidences were collected by the police before the FIR was submitted to be forwarded to the Government of India ?

SHRI B. S. MURTHY: Whatever information I am giving is only information I have got from the Government of Bihar.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

A.I.R. STAFF MEMBERS' CONTRIBUTIONS TO FOREIGN BROADCASTING ORGANISATIONS

*572. SHRI HARDAYAL DEVGUN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some staff members of All India Radio contribute also to foreign broadcasting organisations and receive payments;

(b) if so, the number of such officers and their names;

(c) whether prior permission is obtained from Government by these persons; and

(d) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. K. SHAH): (a) Yes, Sir.

(b) Two.

1. Shri V. M. Chakrapani, Newsreader (Since resigned effective from 22-8-1968.)
2. Shri R. S. Sharma, Editor, Akashvani Group of Journals. (This information relates only to local offices of All India Radio. Information from remaining offices is being collected and will be laid on the Table of the House.)

(c) Prior permission was obtained by Shri V. M. Chakrapani. It was, however, not obtained by Shri R. S. Sharma.

(d) Shri Sharma did not obtain prior permission as the two short stories contributed by him for broadcast from BBC in the World Service were of non-controversial, non-political and literary nature. However the whole question is being examined with reference to the rules on the subject.

रेडियो 'पीस एंड प्रोग्रेस' के प्रसारण

*573 **श्री टी० पी० शाह :**
श्री बृज भूषण लाल :
श्री ओंकार सिंह :
श्री जि० वे० सिंह :
श्री हुकुम चन्द कछवाय :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जून और जुलाई, 1968 के महीनों में 'रेडियो पीस एंड प्रोग्रेस" ने कुछ भारतीय नेताओं की आलोचना की थी ;

(ख) क्या सरकार ऐसे प्रसारणों को भारत रूस मैत्री के विरुद्ध समझती है ;

(ग) क्या सरकार ने इन महीनों में ऐसे प्रसारणों के विरुद्ध रूस सरकार को कोई विरोधपत्र भेजा है ;

(घ) यदि हां, तो प्राप्त उत्तर का ब्योरा क्या है ; और